Test Cloud

Daily करेंट अफेयर्स

01 अगस्त 2025

NATIONAL AFFAIRS

1. धर्मेंद्र प्रधान ने NEP 2020 के 5 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में नई दिल्ली में ABSS 2025 का उद्घाटन किया।

जुलाई 2025 में, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 की 5वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में नई दिल्ली में अखिल भारतीय शिक्षा समागम (ABSS) 2025 का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में AI-आधारित शिक्षा और बुनियादी ढांचे में वृद्धि सहित विभिन्न प्रमुख शैक्षिक सुधारों का शुभारंभ किया गया।

- **शिक्षा मंत्रालय (MoE) ने स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (DoSEL) और उच्च शिक्षा विभाग (DoHE) के नेतृत्व में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की शैक्षिक पहलों का शुभारंभ किया। इनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) से संचालित उपकरण, डिजिटल शिक्षण अनुप्रयोग, परिसर उन्नयन और उन्नत मूल्यांकन प्रणालियाँ शामिल हैं।**

- **स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (DoSEL) के अंतर्गत, प्रमुख पहलों में 22 केंद्रीय विद्यालय संगठन (KVS) परियोजनाओं का शुभारंभ और दीघा, पटना (बिहार) में एक नए CBSE (केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड) क्षेत्रीय कार्यालय भवन का उद्घाटन शामिल था। कक्षा 3 से 8 तक के छात्रों में डेटा-आधारित शैक्षणिक निर्णय लेने और भाषा दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से TARA ऐप का भी अनावरण किया गया।**

- **डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके सूचित करियर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए माई करियर एडवाइजर ऐप नामक एक छात्र-केंद्रित प्लेटफ़ॉर्म की शुरुआत की गई। इसके साथ ही, स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग (SHVR)-2025-26 प्रणाली भी शुरू की गई, जिसमें स्कूलों में स्वच्छता मानकों, अपशिष्ट प्रबंधन, हाथ धोने और ऊर्जा एवं जल संरक्षण का आकलन करने के लिए 5-स्टार रेटिंग प्रणाली शामिल है।**

Key Points:-

(i) उच्च शिक्षा विभाग (DoHE) के अंतर्गत, प्रमुख परियोजनाओं में एक वेब-आधारित स्थानीय भाषा प्रवीणता परीक्षा पोर्टल का शुभारंभ शामिल है, जिसे राष्ट्रीय परीक्षण सेवा-भारत (NTS-I) द्वारा बोलने, पढ़ने और लिखने (LSRW) कौशल का आकलन करने के लिए विकसित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य भारतीय छात्रों के भाषा सीखने के परिणामों में सुधार करना है।

(ii) शिक्षा विभाग की अन्य पहलों में राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण योजना (NATS) के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षुता को मज़बूत करना और वाइब: एंगेज। एन्जॉय। एनलाइटन जैसे कृत्रिम बुद्धि (AI)-आधारित प्लेटफ़ॉर्म की शुरुआत करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, छात्रों को अनेक भारतीय भाषाएँ सीखने में मदद के लिए भाषा सागर ऐप भी लॉन्च किया गया।

(iii) इस कार्यक्रम में 4 विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए आशय (लॉट्स) कार्यक्रम के माध्यम से वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय (ऑस्ट्रेलिया) और विक्टोरिया विश्वविद्यालय (ऑस्ट्रेलिया) सहित चार विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर भी प्रकाश डाला गया।

2. कैबिनेट ने PMKSY के लिए 6520 करोड़ रुपये मंजूर किए, जिसमें विकिरण इकाइयों और खाद्य

प्रयोगशालाओं के लिए 1920 करोड़ रुपये शामिल हैं।

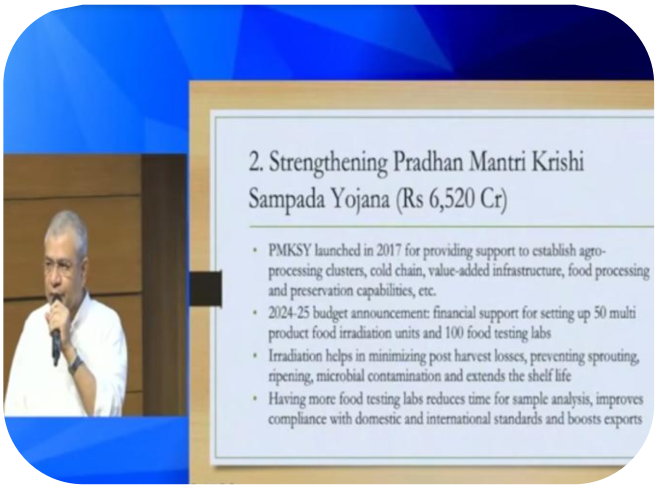

31 जुलाई, 2025 को, प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्रीय क्षेत्र योजना - प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (PMKSY) के लिए कुल 6520 करोड़ रुपये के परिव्यय को मंजूरी दी, जिसमें 15वें वित्त आयोग (FCC) चक्र (2021-22 से 2025-26) के दौरान योजना के तहत नए प्रतिष्ठानों के लिए अतिरिक्त 1920 करोड़ रुपये शामिल हैं।

- **इस नए वित्त पोषण के तहत, PMKSY के एकीकृत कोल्ड चेन और मूल्य संवर्धन अवसंरचना (ICCVAI) घटक के तहत 50 बहु-उत्पाद खाद्य विकिरण इकाइयों की स्थापना के लिए 1000 करोड़ रुपये निर्देशित किए जाएंगे।**

- **इन विकिरण इकाइयों से खाद्य संरक्षण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है, जिसकी अनुमानित वार्षिक क्षमता 20-30 लाख मीट्रिक टन (LMT) होगी, जिससे फसल-पश्चात होने वाले नुकसान में कमी आएगी और खाद्य पदार्थों का शेल्फ जीवन बढ़ेगा।**

- **विकिरण इकाइयों के अलावा, इस ₹1920 करोड़ के पैकेज के अंतर्गत शेष ₹920 करोड़ से PMKSY के खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता आश्वासन अवसंरचना (FSQAI) घटक के माध्यम से 100 खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं (FTLs) की स्थापना में मदद मिलेगी।**

ये प्रयोगशालाएँ राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (NABL) द्वारा मान्यता प्राप्त होंगी और देश भर में खाद्य सुरक्षा अनुपालन में सुधार पर ध्यान केंद्रित करेंगी।

Key Points:-

(i) ये खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएँ निजी क्षेत्र की भागीदारी से स्थापित की जाएँगी और इनसे देश के खाद्य परीक्षण तंत्र का आधुनिकीकरण होने की उम्मीद है। संदूषण का बेहतर पता लगाने और बेहतर गुणवत्ता आश्वासन के माध्यम से, इस पहल का उद्देश्य प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों में उपभोक्ताओं का विश्वास मज़बूत करना है।

(ii) ICCVAI और FSQAI, दोनों ही PMKSY के अंतर्गत मांग-आधारित उप-योजनाएँ हैं। पात्र हितधारक जारी की जाने वाली रुचि की अभिव्यक्तियों (EOIs) के प्रत्युत्तर में परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं, और योजना दिशानिर्देशों और प्रस्ताव मूल्यांकन के आधार पर अंतिम अनुमोदन प्रदान किया जाएगा।

(iii) ₹1920 करोड़ के आवंटन के अलावा, मंत्रिमंडल ने PMKSY की अन्य घटक योजनाओं के अंतर्गत परियोजनाओं की स्वीकृति के लिए ₹920 करोड़ भी स्वीकृत किए। ये अतिरिक्त परियोजनाएँ भी चालू 15वें वित्त आयोग चक्र के अंतर्गत क्रियान्वित की जाएँगी, जिससे भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए व्यापक अवसंरचनात्मक सहायता सुनिश्चित होगी।

3. भारतीय रेलवे ने दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर के मथुरा-कोटा खंड पर कवच 4.0 शुरू किया।

30 जुलाई 2025 को, रेल मंत्रालय (MoR) के अधीन भारतीय रेलवे (IR) ने उच्च घनत्व वाले दिल्ली-मुंबई रेल कॉरिडोर के मथुरा-कोटा खंड पर स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (ATP) प्रणाली कवच 4.0 को चालू किया। यह पहल रेलवे सुरक्षा और परिचालन आधुनिकीकरण को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

- **कवच 4.0 प्रणाली भारत की स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (ATP) तकनीक का उन्नत संस्करण है और इसे व्यापक मूल्यांकन के बाद जुलाई 2024 में अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (RDSO) से अंतिम मंजूरी मिल गई है।**

- **उच्च गति संचालन के लिए डिज़ाइन किया गया, कवच 4.0 160 किलोमीटर प्रति घंटे (किमी प्रति घंटे) तक चलने वाली ट्रेनों का समर्थन कर सकता है और टकराव से बचने के तंत्र में काफी सुधार करता है।**

- **इस प्रणाली को मई 2025 में मंज़ूरी दी गई थी और इसे विशेष रूप से मथुरा-कोटा खंड पर लागू किया गया था, जो यात्री और माल ढुलाई दोनों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण और उच्च यातायात वाला मार्ग है। इस मार्ग को इसके महत्व और यातायात घनत्व को ध्यान में रखते हुए रणनीतिक रूप से चुना गया था ताकि सुरक्षा उन्नयन का संचालन किया जा सके और अधिकतम परिचालन दक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।**

Key Points:-

(i) कवच 4.0 के लिए राष्ट्रीय रेलआउट योजना में अगले 6 वर्षों में भारतीय रेलवे के संपूर्ण नेटवर्क में इस तकनीक का विस्तार करना शामिल है, जिससे राष्ट्रीय रेलवे सुरक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा सके और पूरे भारत में ट्रेन संचालन का आधुनिकीकरण किया जा सके।

(ii) बड़े पैमाने पर तैनाती के लिए, 30,000 से ज़्यादा रेलकर्मियों को कवच 4.0 के संचालन और कार्यान्वयन का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। ये प्रशिक्षण पहल प्रणाली के मानकीकरण, समस्या निवारण और वास्तविक समय में ट्रेन संचालन प्रक्रियाओं में एकीकरण सुनिश्चित करती हैं।

(iii) शैक्षणिक क्षेत्र में, भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियरिंग एवं दूरसंचार संस्थान (IRISET) ने कवच को इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) द्वारा अनुमोदित 17 संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे भविष्य के लिए तैयार प्रतिभाओं को बढ़ावा मिलेगा जो भारत की स्मार्ट रेल सुरक्षा प्रणालियों के प्रबंधन में सक्षम होंगी।

4. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने छह राज्यों में 882 किलोमीटर की चार मल्टी-ट्रैकिंग रेलवे परियोजनाओं के लिए 11,169 करोड़ रुपये की मंजूरी दी।

31 जुलाई 2025 को, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) ने रेल मंत्रालय के अंतर्गत लगभग ₹11,169 करोड़ के कुल निवेश वाली चार महत्वपूर्ण मल्टी-ट्रैकिंग रेलवे परियोजनाओं को मंज़ूरी दी। ये परियोजनाएँ छह राज्यों के 13 ज़िलों में फैली हुई हैं और इनका उद्देश्य रसद लागत को कम करते हुए रेल नेटवर्क पर भीड़भाड़ कम करना है।

- **स्वीकृत परियोजनाएं - जिनमें इटारसी-नागपुर चौथी लाइन, औरंगाबाद (छत्रपति संभाजीनगर)-परभणी दोहरीकरण, अलुआबारी रोड-न्यू जलपाईगुड़ी तीसरी और चौथी लाइन, और डांगोआपोसी-जारोली तीसरी और चौथी लाइन शामिल हैं - सामूहिक रूप से भारत के रेल नेटवर्क को लगभग 574 किलोमीटर तक विस्तारित करेंगी, जिससे उच्च घनत्व वाले माल और यात्री गलियारों में क्षमता और कनेक्टिविटी में सुधार होगा।**

- **ये परियोजनाएं छह राज्यों - महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड - में फैली हुई हैं, जो 13 जिलों को कवर करती हैं और लगभग 43.6 लाख (4.36 मिलियन) की संयुक्त आबादी वाले लगभग 2,309 गांवों को सीधे लाभान्वित करती हैं।**

- **एक बार पूरा हो जाने पर, संवर्धित लाइनों से प्रति वर्ष 95.91 मिलियन टन (MTPA) अतिरिक्त माल यातायात को संभालने की उम्मीद है, जिससे कोयला, सीमेंट, क्लिंकर, जिप्सम, फ्लाई ऐश, कंटेनर, कृषि वस्तुओं और पेट्रोलियम उत्पादों जैसी प्रमुख वस्तुओं की सुचारू आवाजाही की सुविधा मिलेगी।**

Key Points:-

(i) इन रेल विस्तार परियोजनाओं से राष्ट्रीय रसद लागत में 11,500 करोड़ रुपये से अधिक की कमी आने, तेल आयात में 16 करोड़ लीटर की कटौती होने और CO_2 उत्सर्जन में 515 करोड़ किलोग्राम की कमी आने का अनुमान है - जो 20 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है - इस प्रकार यह भारत के जलवायु लक्ष्यों को समर्थन प्रदान करेगा।

(ii) इसके कार्यान्वयन से निर्माण के दौरान लगभग 229 लाख मानव-दिवस प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। ये बहु-ट्रैकिंग पहल भारत के प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप हैं, जिसका उद्देश्य एकीकृत अवसंरचना विकास के माध्यम से बहु-मॉडल कनेक्टिविटी को बढ़ाना और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देना है।

(iii) 2028-29 तक पूरा होने के लिए निर्धारित इन परियोजनाओं से प्रमुख गलियारों में भीड़भाड़ कम होने की उम्मीद है - विशेष रूप से दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-चेन्नई उच्च घनत्व नेटवर्क के साथ ओवरलैप करने वाले गलियारों में - जिससे माल और यात्री सेवाओं दोनों के लिए परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता बढ़ेगी।

INTERNATIONAL

1. 32वां भारत-सिंगापुर नौसैनिक अभ्यास 'SIMBEX' 28 जुलाई से 1 अगस्त, 2025 तक सिंगापुर में आयोजित किया जाएगा।

सिंगापुर-भारत समुद्री द्विपक्षीय अभ्यास (SIMBEX) का 32वां संस्करण 28 जुलाई से 1 अगस्त 2025 तक सिंगापुर में आयोजित किया गया—जो किसी भी देश

के साथ भारत का सबसे लंबा निर्बाध वार्षिक नौसैनिक अभ्यास था। भारतीय नौसेना (IN) और सिंगापुर गणराज्य की नौसेना (RSN) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस अभ्यास ने दोनों देशों के बीच गहरे समुद्री संबंधों और रणनीतिक सहयोग की पुष्टि की।

- **इस अवसर पर, भारतीय नौसेना ने चार अग्रणी स्वदेशी युद्धपोतों—INS दिल्ली (निर्देशित मिसाइल विध्वंसक), INS सतपुड़ा (शिवालिक श्रेणी का युद्धपोत), INS किल्टन (पनडुब्बी रोधी युद्धपोत) और INS शक्ति (बेड़ा सहायक टैंकर)—को तैनात किया—जो भारत के पूर्वी बेड़े के सभी प्रमुख पोत हैं। RSN ने दो प्रमुख युद्धपोतों का योगदान दिया: फॉर्मिडेबल श्रेणी का युद्धपोत RSS सुप्रीम और विक्ट्री श्रेणी का युद्धपोत RSS विजिलेंस, जिन्हें बेड़े सहायक पोत MV मेंटर द्वारा सहायता प्रदान की गई।**

- **अभ्यास दो चरणों में हुआ: RSS सिंगापुर (चांगी नौसैनिक अड्डे) में एक गहन बंदरगाह चरण, जिसमें संयुक्त स्टाफ वार्ता, विषय-वस्तु विशेषज्ञों का आदान-प्रदान (SMEEs), क्रॉस-डेक जहाज़ों का दौरा और सिम्युलेटर-आधारित सामरिक योजना शामिल थी; इसके बाद दक्षिण चीन सागर के दक्षिणी छोर पर समुद्री चरण हुआ, जिसमें वायु-रक्षा, सतह-रोधी और पनडुब्बी-रोधी युद्ध, क्रॉस-डेक हेलीकॉप्टर संचालन और विजिट-बोर्ड-सर्च-सीज़र (VBSS) अभियानों सहित उन्नत लाइव अभ्यास शामिल थे। समुद्री चरण का समापन एक औपचारिक सेल-पास्ट समारोह के साथ हुआ।**

- **भारत की रणनीति के नज़रिए से देखा जाए तो, SIMBEX 2025 ने देश की एक्ट ईस्ट नीति और विज़न सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) पहल को और मज़बूत किया। यह अभ्यास भारत-सिंगापुर राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया, जिसने साझा समुद्री हितों और एक स्थिर, नियम-आधारित समुद्री व्यवस्था बनाए रखने के संयुक्त संकल्प को रेखांकित किया।**

Key Points:-

(i) वरिष्ठ नौसेना अधिकारियों ने इस अभ्यास की सराहना करते हुए इसे अंतर-संचालन क्षमता को निखारने, समुद्री क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने और संयुक्त संचालन सिद्धांतों को परिष्कृत करने का एक मंच बताया। SIMBEX, खोज एवं बचाव (SAR) और मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (HADR) अभियानों सहित, वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों के लिए प्रतिभागी बलों को तैयार करके क्षेत्रीय सुरक्षा संरचना में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

(ii) 1994 में "अभ्यास लायन किंग" के रूप में शुरू किया गया SIMBEX, अब भारत द्वारा किसी साझेदार राष्ट्र के साथ किया जाने वाला सबसे लंबा निरंतर द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास है।

(iii) इसके 32वें संस्करण ने नौसेनाओं के बीच पेशेवर सौहार्द को और मजबूत किया है और भविष्य में बहुपक्षीय कार्यक्रमों जैसे कि अंतर्राष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू, बहुराष्ट्रीय अभ्यास MILAN और 2026 की शुरुआत में विश(iii) खापत्तनम में प्रमुखों के IONS सम्मेलन में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका के लिए मंच तैयार किया है।

BANKING & FINANCE

1. भारत की गैर-खाद्य बैंक ऋण वृद्धि जून 2025 में घटकर 10.2% रह जाएगी, जो एक वर्ष पहले 13.8% थी।

भारतीय रिजर्व बैंक की 27 जून, 2025 को समाप्त होने वाले पखवाड़े की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के अनुसार, गैर-खाद्य ऋण वृद्धि जून 2024 के 13.8% से घटकर वर्ष-दर-वर्ष 10.2% रह गई है, जो आर्थिक अनिश्चितता के बीच प्रमुख क्षेत्रों में कमजोर मांग को दर्शाती है।

- **जून 2025 तक जमा वृद्धि दर साल-दर-साल लगभग 10.5% रही, जो ऋण की गति के लगभग बराबर थी — जिसके परिणामस्वरूप जमा और बैंक ऋण के बीच का अंतर काफ़ी कम हो गया। यह पिछले वर्षों की तुलना में एक महत्वपूर्ण बदलाव है, जब ऋण, जमा जुटाने की गति से आगे निकल गया था।**

- **कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए ऋण वितरण में भारी गिरावट आई और यह 6.8% पर आ गया, जबकि एक वर्ष पहले यह 17.4% था, जबकि सेवा क्षेत्र के ऋण में तीव्र गिरावट आई और यह लगभग 15% से घटकर 9.6% पर आ गया, जिससे समग्र गैर-खाद्य ऋण वृद्धि में कमी आई।**

- **उपभोक्ता ऋण में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई, व्यक्तिगत ऋण, वाहन वित्त और क्रेडिट कार्ड ऋण की वृद्धि दर काफी धीमी रही। उदाहरण के लिए, व्यक्तिगत ऋण की वृद्धि दर 13% से घटकर लगभग 9% रह गई, और क्रेडिट कार्ड बकाया वृद्धि दर घटकर इकाई अंक में आ गई।**

Key Points:-

(i) बड़े उद्योगों को ऋण वृद्धि धीमी होकर लगभग 0.8% रह गई, जबकि MSMEs, विशेष रूप से सूक्ष्म और लघु फर्मों को ऋण वृद्धि दर लगभग 19% के आसपास रही, जिससे वे ऋण परिदृश्य में कुछ उज्ज्वल स्थानों में से एक बन गए।

(ii) खुदरा जमाओं के घटक में वृद्धि हुई, जबकि थोक और कॉर्पोरेट जमाओं में गिरावट आई, जिसके कारण तरलता कवरेज अनुपात (LCR) में तेजी से वृद्धि हुई, क्योंकि बैंकों ने ऋण देने के बजाय सरकारी प्रतिभूतियों में अतिरिक्त धनराशि जमा कर दी।

(iii) RBI की नियामक सख्ती - 2023 के अंत में असुरक्षित खुदरा और एनबीएफसी ऋण पर जोखिम भार बढ़ाना - ने नाजुक ऋण खंडों में मांग को ठंडा कर दिया है, भले ही कॉर्पोरेट फर्म बैंक ऋण के बजाय बांड और इक्विटी बाजारों के माध्यम से धन जुटा रहे हों।

MOUs and Agreement

1. ICAI ने वैश्विक निवेश शिक्षा और पूंजी बाज़ार पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए NSE IX और IVCA के साथ MoUs पर हस्ताक्षर किए

जुलाई 2025 में, भारत में चार्टर्ड एकाउंटेंसी पेशे को विनियमित करने वाली वैधानिक संस्था, द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) ने

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) की सहायक कंपनी NSE इंटरनेशनल एक्सचेंज (NSE IFSC या NSE IX) और इंडियन वेंचर एंड अल्टरनेट कैपिटल एसोसिएशन (IVCA) के साथ दो रणनीतिक समझौता ज्ञापन (MoUs) पर हस्ताक्षर किए। इन समझौतों का उद्देश्य निवेशक जागरूकता, वैश्विक निवेश शिक्षा और भारतीय पूंजी और वैकल्पिक निवेश बाज़ारों में पेशेवर विकास को बढ़ावा देना है।

• गुजरात के GIFT सिटी स्थित NSE IFSC (NSE IX) के साथ ICAI का MoU निवेशक शिक्षा को मजबूत करने, अंतरराष्ट्रीय निवेश ज्ञान को बढ़ाने और पूंजी बाजारों में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की क्षमता निर्माण पर केंद्रित है। यह साझेदारी वैश्विक निवेश अवसरों, डेरिवेटिव बाजार और वित्तीय नवाचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने में सहायक होगी।

• इस समझौते के तहत, ICAI और NSE IFSC संयुक्त रूप से सह-ब्रांडेड शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इन कार्यक्रमों में वैश्विक निवेश, डेरिवेटिव उपकरण और वित्तीय नवाचार जैसे उन्नत विषयों को शामिल किया जाएगा, जिससे चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को अंतरराष्ट्रीय वित्त और व्यापार की उभरती प्रवृत्तियों के अनुसार कौशल प्रदान किया जा सके।

• IVCA के साथ किया गया MoU भारत के वैकल्पिक निवेश क्षेत्र को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विशेषज्ञ समूहों के गठन पर केंद्रित है। ये समूह वेंचर कैपिटल, प्राइवेट इक्विटी और अन्य वैकल्पिक पूंजी रूपों से संबंधित नियामक, संचालन और रिपोर्टिंग से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा करेंगे, जिससे पारदर्शिता और सुशासन को बढ़ावा मिलेगा।

Key Points:-

(i) ICAI-IVCA MoU का एक प्रमुख उद्देश्य वैकल्पिक निवेश पारिस्थितिकी तंत्र में वित्तीय रिपोर्टिंग पद्धतियों को मानकीकृत करना है। उद्योग द्वारा संचालित परामर्श और सहयोगी ढांचे के माध्यम से, यह पहल वैश्विक मानकों के अनुरूप सुसंगत और पारदर्शी रिपोर्टिंग मानदंड विकसित करने का प्रयास करेगी।

(ii) ये साझेदारियाँ ICAI के उस व्यापक उद्देश्य को दर्शाती हैं, जिसके तहत भारत की पूंजी बाजार प्रणालियों को वैश्विक मानकों के अनुरूप लाया जा रहा है। NSE IX और IVCA के साथ सहयोग करके, ICAI निवेशक सुरक्षा, वित्तीय नवाचार को बढ़ावा देने और भारत की वित्तीय पारिस्थितिकी में नियामकीय समरूपता को सक्षम बनाने में एक अहम भूमिका निभा रहा है।

(iii) यह पहल पूंजी बाजारों में व्यावसायिक दक्षता को मजबूत करने में ICAI की वैधानिक भूमिका के अनुरूप है। ये MoUs भारत के वित्तीय पेशेवरों को वैश्विक पूंजी प्रवाह और उभरते वित्तीय सेवा परिदृश्य में प्रभावी रूप से योगदान करने में समर्थ बनाएंगे।

APPOINTMENTS & RESIGNATIONS

1. लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह 1 अगस्त 2025 से अगले उप सेना प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे।

कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह को भारत के उप सेना प्रमुख (VCOAS) के रूप में पदोन्नत करने को मंजूरी दे दी है, जो 1 अगस्त 2025 से प्रभावी होगा। वे लेफ्टिनेंट जनरल एन.एस.

राजा सुब्रमणि का स्थान लेंगे, जिन्होंने 31 जुलाई को अपना कार्यकाल पूरा कर लिया था।

- **भारतीय सैन्य अकादमी से स्नातक होने के बाद दिसंबर 1987 में 4 पैरा (विशेष बल) में कमीशन प्राप्त लेफ्टिनेंट जनरल सिंह के पास आतंकवाद-रोधी, अपरंपरागत युद्ध और सीमा-पार कार्यों में 35 वर्षों से अधिक का उत्कृष्ट परिचालन अनुभव है।**

- **वे प्रमुख सैन्य अभियानों—ऑपरेशन पवन (IPKF, श्रीलंका), मेघदूत (सियाचिन तैनाती), रक्षक (जम्मू-कश्मीर आतंकवाद विरोधी अभियान) और ऑर्किड (पूर्वोत्तर)—में प्रत्यक्ष रूप से शामिल रहे हैं। सिंह ने लेबनान और श्रीलंका में संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में भी अपनी सेवाएँ दीं, जिससे भारतीय सेना में उनके योगदान को वैश्विक स्तर पर पहचान मिली।**

- **अप्रैल 2022 में, उन्होंने हिमाचल प्रदेश के योल में राइजिंग स्टार कोर (IX कोर) का कार्यभार संभाला, जो पश्चिमी सीमा की सुरक्षा करने वाली एक अग्रिम पंक्ति की इकाई है। सेना मुख्यालय में, उन्होंने ऑपरेशनल, लॉजिस्टिक्स और स्ट्रैटेजिक मूवमेंट के महानिदेशक के रूप में कार्य किया, जहाँ उन्होंने प्रमुख सैन्य गतिशीलता और तैनाती संरचना की देखरेख की।**

Key Points:-

(i) लखनऊ के मूल निवासी, सिंह, IMA, देहरादून से कमीशन प्राप्त करने से पहले, ला मार्टिनियर कॉलेज और लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे हैं। डीएसएससी वेलिंगटन, सीडीएम सिकंदराबाद और IIPA में पाठ्यक्रमों के साथ-साथ प्रबंधन अध्ययन में स्नातकोत्तर (उस्मानिया विश्वविद्यालय) और रक्षा अध्ययन में एम.फिल. (पंजाब विश्वविद्यालय) की डिग्री के कारण उनकी स्टाफ और नेतृत्व संबंधी योग्यताएँ और भी निखर गई हैं।

(ii) उन्हें अतिविशिष्ट सेवा पदक (AVSM) और सेना पदक (BAR) से सम्मानित किया गया है, जो युद्ध और स्टाफ नियुक्तियों दोनों में उनके असाधारण समर्पण और व्यावसायिकता का प्रमाण है।

(iii) उप-सेना प्रमुख के रूप में, यह पदधारी भारतीय सेना के उप-पेशेवर प्रमुख के रूप में कार्य करता है और थल सेना प्रमुख तथा रक्षा मंत्रालय को परिचालन योजना, आधुनिकीकरण, प्रशिक्षण, सैन्य कल्याण और संयुक्त बल एकीकरण पर सलाह देता है। शुक्रवार की नियुक्ति सशस्त्र सेवाओं में समन्वित उच्च-स्तरीय नेतृत्व फेरबदल का हिस्सा थी, जिसमें नौसेना उप-प्रमुख और पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ का 1 अगस्त 2025 को कार्यभार ग्रहण करना भी शामिल है।

2. कंपोजिट विशेषज्ञ डॉ. ए. राजराजन को VSSC का निदेशक नियुक्त किया गया, वे 1 अगस्त, 2025 को कार्यभार संभालेंगे।

1 अगस्त 2025 को, इसरो के अनुभवी वैज्ञानिक डॉ. ए. राजराजन तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC) के निदेशक के रूप में कार्यभार संभालेंगे। उन्होंने डॉ. एस. उन्नीकृष्णन नायर का स्थान लिया, जो 31 जुलाई 2025 को सेवानिवृत्त हुए और भारत के प्रमुख प्रक्षेपण यान विकास केंद्रों में से एक का नेतृत्व संभाला।

- **लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, राजराजन को ऑस्ट्रेलिया और संभवतः दुनिया के**

अंतरिक्ष-ग्रेड कंपोजिट के क्षेत्र में अग्रणी विशेषज्ञ के रूप में व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है। उनके अग्रणी कार्यों में उच्च-तापमान कार्बन-कार्बन संरचनाओं, 5 मीटर व्यास वाले पेलोड फेयरिंग और सौर पैनल सबस्ट्रेट्स का डिज़ाइन और उत्पादन शामिल है, जिससे भारत की स्वदेशी प्रक्षेपण-वाहन क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

- **जुलाई 2019 से VSSC में अपनी नियुक्ति तक, राजराजन सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (श्रीहरिकोटा) के निदेशक रहे। उन्होंने ठोस-मोटर उत्पादन, प्रक्षेपण परिसर विस्तार का निरीक्षण किया और चंद्रयान-3, आदित्य-एल1, एसएसएलवी, और पहली व्यावसायिक उड़ान एलवीएम3-एम2/वनवेबइंडिया-1 सहित प्रमुख पृथ्वी और अंतरिक्ष मिशन अवसंरचनाओं को सुगम बनाया। भारत की नई अंतरिक्ष नीति के तहत कार्यान्वित भारत के पहले निजी रॉकेट, विक्रम-एस के प्रक्षेपण में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।**

- **डॉ. राजराजन ने 1987 में VSSC के फाइबर-प्रबलित प्लास्टिक (FRP) प्रभाग में अपने करियर की शुरुआत की। इन वर्षों में, उन्होंने कंपोजिट, स्ट्रक्चर और प्रोपल्शन ऑर्डिनेंस संस्थाओं में वरिष्ठ पदों पर कार्य किया, जिससे PSLV, GSLV-MKIII, RLV-TD और HSP कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण सहायक प्रणालियों (पेलोड एडेप्टर, इंटरटैंक स्ट्रक्चर) का स्वदेशीकरण हुआ।**

Key Points:-

(i) VSSC में, उन्होंने समग्र विनिर्माण और अंतरिक्ष घटकों में मज़बूत सार्वजनिक-निजी भागीदारी स्थापित करने में मदद की। डॉ. राजराजन नवंबर 2023 से इंडियन सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ मैटेरियल्स एंड प्रोसेस इंजीनियरिंग (ISAMPE) के अध्यक्ष हैं, और उन्होंने प्रक्षेपण-तैयार घटकों के स्केलेबल उत्पादन के लिए उद्योग को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में अग्रणी भूमिका निभाई है।

(ii) VSSC निदेशक के रूप में, राजराजन को केंद्र के प्रमुख क्षेत्रों का नेतृत्व करने की ज़िम्मेदारी विरासत में मिली है: पुन: प्रयोज्य प्रक्षेपण तकनीक, मानव अंतरिक्ष उड़ान सहायता (गगनयान), वायु-श्वास प्रणोदन, और समग्र-गहन अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान। उनकी नियुक्ति इसरो के आत्मनिर्भर अंतरिक्ष प्रणालियों की दिशा में प्रयासों को और मज़बूत करती है।

(iii) डॉ. राजराजन भारतीय अंतरिक्ष के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ पर कार्यभार संभाल रहे हैं; उनके नेतृत्व से अंतरिक्ष बंदरगाहों के आधुनिकीकरण, मिशन की तैयारी और स्वदेशीकरण की प्राथमिकताओं में तेज़ी आने की उम्मीद है। यह नियुक्ति देश की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं को दिशा देने के लिए प्रमुख वैज्ञानिक विशेषज्ञता में इसरो के विश्वास को रेखांकित करती है।

AWARDS

1. रिलायंस इंडस्ट्रीज फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची 2025 में 88वें स्थान पर है और वॉलमार्ट लगातार 12वें वर्ष शीर्ष स्थान पर बरकरार है।

जुलाई 2025 में, फॉर्च्यून पत्रिका ने 2025 के लिए फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची का 71वां संस्करण जारी किया, जिसमें राजस्व के आधार पर दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों की रैंकिंग दी गई। मुकेश अंबानी के

नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (RIL) ने वैश्विक स्तर पर 88वां स्थान हासिल किया, जिससे भारतीय कंपनियों में उसका शीर्ष स्थान बरकरार रहा।

• रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (RIL) 2025 के लिए फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची में 88वें स्थान पर रही, जो 2024 में 86वें स्थान से फिसलकर 114.12 अरब अमेरिकी डॉलर रही। दो स्थानों की गिरावट के बावजूद, RIL ने वैश्विक सूची में सर्वोच्च रैंकिंग वाली भारतीय कंपनी का अपना खिताब बरकरार रखा है, और बदलती वैश्विक गतिशीलता के बीच निरंतर प्रदर्शन का प्रदर्शन किया है।

• RIL लगातार 22वें वर्ष इस सूची में शामिल है, जो किसी भी भारतीय निजी क्षेत्र की कंपनी की सबसे लंबी निर्बाध उपस्थिति है। यह तेल, दूरसंचार और खुदरा सहित कई क्षेत्रों में RIL की निरंतर वैश्विक प्रासंगिकता और परिचालन क्षमता की पुष्टि करता है।

• 2025 फॉर्च्यून ग्लोबल 500 में वॉलमार्ट इंक. (संयुक्त राज्य अमेरिका) ने लगातार 12वें वर्ष शीर्ष स्थान हासिल किया। वॉलमार्ट ने 680.98 अरब अमेरिकी डॉलर के कुल राजस्व के साथ दुनिया के सबसे बड़े खुदरा विक्रेता का खिताब बरकरार रखा। कंपनी 1995 के बाद से 20वीं बार शीर्ष स्थान पर है।

Key Points:-

(i) अमेज़न डॉट कॉम इंक. (अमेरिका) और स्टेट ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ चाइना ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। अग्रणी ई-कॉमर्स कंपनी अमेज़न ने अपना दबदबा कायम रखा, जबकि चीन की प्रमुख विद्युत उपयोगिता कंपनी स्टेट ग्रिड ने भी शीर्ष तीन में अपना स्थान बनाए रखा।

(ii) 2025 संस्करण में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का कुल संचयी राजस्व 41.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.8% की वृद्धि दर्शाता है। यह संयुक्त राजस्व विश्व के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के एक-तिहाई (33.39%) से भी अधिक था, जो इन कंपनियों के वैश्विक आर्थिक प्रभाव के पैमाने को दर्शाता है।

(iii) 2025 की सूची में 33 महिला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) शामिल थीं, जो 2024 की तुलना में मामूली वृद्धि दर्शाती है, और इसमें कुल 10 भारतीय कंपनियाँ शामिल थीं। यह वैश्विक आर्थिक नेताओं में भारत के निरंतर प्रतिनिधित्व को दर्शाता है और शीर्ष कॉर्पोरेट नेतृत्व में लैंगिक समावेशन की दिशा में प्रयासों को दर्शाता है।

IMPORTANT DAYS

1. विश्व स्तनपान सप्ताह 2025 1-7 अगस्त तक मनाया जाएगा।

विश्व स्तनपान सप्ताह 2025, 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तर पर मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य स्थायी सामाजिक और संस्थागत प्रणालियों के माध्यम से स्तनपान प्रथाओं को बढ़ावा देना, समर्थन देना और उनकी रक्षा करना है। इस सप्ताह का समन्वय विश्व स्तनपान कार्रवाई गठबंधन (WABA) द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (UNICEF) के साथ साझेदारी में किया जा रहा है। 2025 के अभियान का विषय, स्तनपान को एक सार्वजनिक स्वास्थ्य और विकासात्मक अनिवार्यता के

रूप में प्राथमिकता देने के लिए दीर्घकालिक समर्थन प्रणालियों के निर्माण पर केंद्रित है।

• विश्व स्तनपान सप्ताह की उत्पत्ति अगस्त 1990 के इनोसेंटी घोषणापत्र से जुड़ी है, जिसे डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ ने फ्लोरेंस, इटली में अपनाया था, जिसमें स्तनपान को समर्थन देने के लिए वैश्विक प्रयासों का आह्वान किया गया था।

• इस प्रतिबद्धता के उपलक्ष्य में, WABA द्वारा पहली बार 1992 में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया था। तब से, यह स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने और कार्रवाई को बढ़ावा देने के लिए 120 से अधिक देशों में मनाया जाने वाला एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय अभियान बन गया है।

• 2025 का विषय, "स्तनपान को प्राथमिकता दें: स्थायी सहायता प्रणालियां बनाएं", स्तनपान में आने वाली बाधाओं को दूर करने और सवेतन अवकाश और नर्सिंग ब्रेक जैसी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मजबूत पारिवारिक, स्वास्थ्य और कार्यस्थल समर्थन की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

Key Points:-

(i) विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार, जीवन के पहले छह महीनों के दौरान केवल स्तनपान कराने से दुनिया भर में हर साल 8,20,000 से ज़्यादा बच्चों की मृत्यु को रोका जा सकता है। स्तनपान न केवल शिशुओं को आवश्यक पोषक तत्व और एंटीबॉडी प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह स्तन और डिम्बग्रंथि के कैंसर जैसी मातृ रोगों के जोखिम को भी कम करता है। स्तनपान संज्ञानात्मक विकास को भी बढ़ावा देता है और माँ और बच्चे के बीच भावनात्मक बंधन को मज़बूत बनाता है।

(ii) WHO की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 तक दुनिया भर में लगभग 48% शिशुओं को पहले छह महीनों तक केवल स्तनपान कराया जाएगा—जो पिछले वर्षों की तुलना में एक सुधार है। हालाँकि, केवल लगभग 44% नवजात शिशुओं को ही जन्म के पहले घंटे के भीतर स्तनपान कराया जाता है, खासकर निम्न और मध्यम आय वाले देशों में, जो वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WBW) 2025 अभियान इन कमियों को दूर करने के लिए नीतिगत वकालत और जनभागीदारी दोनों साधनों का उपयोग कर रहा है।

(iii) विश्व स्तनपान सप्ताह 2025 के भाग के रूप में, वैश्विक कार्यक्रमों में सेमिनार, परामर्श, #NormalizeBreastfeeding अभियान और देखभाल करने वालों को शिक्षित करने, नीति निर्माताओं को प्रभावित करने और स्तनपान कक्ष, मातृत्व लाभ और सहकर्मी सहायता प्रणालियों के साथ कामकाजी माताओं का समर्थन करने के लिए आउटरीच कार्यक्रम शामिल हैं।

2. विश्व फेफड़े के कैंसर दिवस 2025 विश्व स्तर पर 1 अगस्त को मनाया गया।

विश्व फेफड़े के कैंसर दिवस 2025, 1 अगस्त को दुनिया भर में फेफड़ों के कैंसर के लगातार बढ़ते खतरे पर प्रकाश डालने के लिए मनाया गया, जो दुनिया भर में कैंसर से संबंधित मौतों का प्रमुख कारण है। अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा संगठनों द्वारा समन्वित, यह दिवस जागरूकता बढ़ाने, रोग का शीघ्र पता लगाने और सभी प्रभावित लोगों के लिए देखभाल की समान पहुँच का आह्वान करता है।

• विश्व फेफड़े के कैंसर दिवस की आधिकारिक शुरुआत 2012 में फ़ोरम ऑफ़ इंटरनेशनल रेस्पिरेटरी सोसाइटीज़ (FIRS), इंटरनेशनल एसोसिएशन फ़ॉर द स्टडी ऑफ़ लंग कैंसर (IASLC), और अमेरिकन कॉलेज ऑफ़ चेस्ट फ़िज़िशियन्स व अन्य के संयुक्त प्रयास से हुई थी। इस पहल का उद्देश्य 1 अगस्त को फेफड़े के कैंसर को समर्पित एक वैश्विक स्वास्थ्य जागरूकता दिवस बनाना था—नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और समुदायों को शिक्षा, अनुसंधान निधि और रोगी देखभाल पहलों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करना।

• 2025 का विषय—"एक साथ मज़बूत: फेफड़ों के कैंसर के प्रति जागरूकता के लिए एकजुट"—व्यक्तियों, देखभाल करने वालों, स्वास्थ्य सेवा कर्मियों और पूरे समुदाय के बीच सहयोग के महत्व पर ज़ोर देता है। यह उन चिकित्सा, सामाजिक और आर्थिक बाधाओं को दूर करने पर ज़ोर देता है जो समय पर निदान और उपचार में बाधा डालती हैं, जिससे दुनिया भर में फेफड़ों के कैंसर के रोगियों के लिए बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं।

• FIRS के आंकड़ों के अनुसार, अकेले 2020 में फेफड़ों के कैंसर के लगभग 24.8 लाख नए मामले सामने आए और लगभग 18 लाख मौतें हुईं, जिससे यह दुनिया भर के सभी कैंसरों में सबसे घातक बन गया। यह सभी कैंसर से होने वाली मौतों का लगभग 19% था, मुख्यतः इसलिए क्योंकि अधिकांश निदान उन्नत चरणों में किए जाते हैं। प्रारंभिक पहचान महत्वपूर्ण बनी हुई है, क्योंकि बीमारी बढ़ने के साथ-साथ जीवित रहने की दर में तेज़ी से गिरावट आती है।

Key Points:-

(i) तम्बाकू का उपयोग प्रमुख जोखिम कारक बना हुआ है - जो फेफड़ों के कैंसर के लगभग 85% मामलों के लिए जिम्मेदार है - लेकिन वायु प्रदूषण, रेडॉन गैस, एस्बेस्टस और सेकेंड हैंड धूम्रपान जैसे पर्यावरणीय कारक भी इसमें भारी योगदान देते हैं, जो अक्सर धूम्रपान न करने वालों को प्रभावित करते हैं।

(ii) फेफड़ों के कैंसर से जुड़ी भ्रांतियाँ—जैसे, यह कि यह केवल वृद्ध धूम्रपान करने वालों को ही प्रभावित करता है या इसकी कोई प्रभावी जाँच उपलब्ध नहीं है—अभी भी आम हैं। साक्ष्य दर्शाते हैं कि उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों के लिए कम खुराक वाली सीटी जाँच, यदि जल्दी लागू की जाए, तो जीवन रक्षा के परिणामों में उल्लेखनीय सुधार ला सकती है।

(iii) विश्व फेफड़े के कैंसर दिवस को व्यापक रूप से जन स्वास्थ्य अभियानों, शैक्षिक संगोष्ठियों और सामुदायिक संपर्क के माध्यम से मनाया जाता है, जबकि वैश्विक स्वास्थ्य समर्थक सफेद या मोती के रंग के रिबन पहनने का आग्रह करते हैं - जो फेफड़े के कैंसर के प्रति एकजुटता और जागरूकता का प्रतीक है। इसमें भाग लेने वाले संगठनों में ग्लोबल लंग कैंसर कोएलिशन, फेफड़े के कैंसर सहायता समूह और स्वास्थ्य सेवा संस्थान शामिल हैं, जिनका उद्देश्य आशा को बढ़ावा देना, कलंक को तोड़ना और दुनिया भर में स्क्रीनिंग पहल को बढ़ावा देना है।

3. विश्व व्यापी वेब दिवस 1 अगस्त 2025 को मनाया गया।

विश्वव्यापी वेब दिवस 2025, 1 अगस्त को विश्वव्यापी रूप से मनाया गया। यह दिवस वर्ल्ड वाइड वेब के

निर्माण और संचार, सूचना पहुँच, वाणिज्य और नवाचार पर इसके परिवर्तनकारी प्रभाव की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। यह दिवस सर टिम बर्नर्स-ली के विजन का सम्मान करता है, जिन्होंने 1989 में CERN में वेब का आविष्कार किया था और 1991 में इसे सार्वजनिक रूप से जारी किया था।

- **वर्ल्ड वाइड वेब का आविष्कार ब्रिटिश कंप्यूटर वैज्ञानिक सर टिम बर्नर्स-ली ने 1989 में किया था और इसे अगस्त 1991 में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया था। प्रत्येक वर्ष 1 अगस्त को वर्ल्ड वाइड वेब दिवस के रूप में मनाए जाने से डिजिटल युग की शुरुआत में इसके वैश्विक महत्व को मान्यता मिलती है।**

- **2025 का विषय, "भविष्य को सशक्त बनाना: एक समावेशी, सुरक्षित और खुले वेब का निर्माण", डिजिटल विभाजन को समाप्त करने, उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता और डिजिटल अधिकारों की सुरक्षा करने, सुगम्यता को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने पर जोर देता है कि वेब समतामूलक नवाचार के लिए एक शक्ति बना रहे।**

Key Points:-

(i) 2025 तक 5.5 बिलियन से अधिक लोग ऑनलाइन होंगे, और वेब एक आवश्यक उपयोगिता बन गया है - जिसका उपयोग शिक्षा, शासन, बैंकिंग, मनोरंजन और रोजमर्रा के संचार के लिए किया जाता है, जो दुनिया भर में सामाजिक और आर्थिक संबंधों को आकार देता है।

(ii) विश्व व्यापी वेब दिवस को साइबर सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता पर वेबिनार, वेब-आधारित समाधानों के लिए हैकथॉन, सुरक्षित सर्फिंग पर जागरूकता अभियान और जिम्मेदार और समावेशी वेब उपयोग के बारे में उपयोगकर्ताओं को शिक्षित करने के उद्देश्य से कार्यशालाओं जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से दुनिया भर में मनाया जाता है।

(iii) अपनी परिवर्तनकारी क्षमता के बावजूद, वेब को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है— साइबर सुरक्षा के खतरे, डेटा गोपनीयता का उल्लंघन, गलत सूचना और असमान पहुँच। 2025 का उत्सव सरकारों, प्रौद्योगिकीविदों और उपयोगकर्ताओं से आह्वान करता है कि वे एक ऐसे खुले वेब की सुरक्षा के लिए मिलकर काम करें जो सभी को सशक्त बनाए।

4. विश्व रेंजर दिवस 2025 विश्व स्तर पर 31 जुलाई को मनाया गया।

विश्व रेंजर दिवस (WRD) 2025, 31 जुलाई को विश्व स्तर पर उन वन रेंजरों के सम्मान में मनाया गया जो कर्तव्य निर्वहन के दौरान घायल हुए या मारे गए, और विश्व की जैव विविधता एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता प्रदान की गई। इस वर्ष यह दिवस 18वीं बार मनाया गया, जिसमें स्थायी पर्यावरणीय परिवर्तन लाने में रेंजरों की शक्ति और महत्व पर ध्यान केंद्रित किया गया।

- **विश्व रेंजर दिवस 1992 में स्थापित अंतर्राष्ट्रीय रेंजर फेडरेशन (IRF) की एक पहल है, और इसे थिन ग्रीन लाइन फाउंडेशन (TGLF) के साथ साझेदारी में बढ़ावा दिया जाता है, जो रेंजरों और उनके परिवारों के कल्याण का समर्थन करने वाला यूनाइटेड किंगडम का पहला समर्पित चैरिटी है।**

• **पहला विश्व रेंजर दिवस 31 जुलाई, 2007 को मनाया गया था, जो IRF की स्थापना की 15वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया गया था, जिसकी स्थापना दुनिया भर के रेंजरों को जोड़ने और उनका समर्थन करने के लिए की गई थी।**

Key Points:-

(i) WRD को शुरू में 8 बहादुर रेंजरों की याद में मनाया गया था, जिन्होंने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (DRC) के विरुंगा राष्ट्रीय उद्यान में कर्तव्य निभाते हुए अपनी जान गंवा दी थी, जो वन्यजीवों और परिदृश्यों की रक्षा करने वाले शहीद रेंजरों के लिए वैश्विक श्रद्धांजलि का प्रतीक है।

(ii) विश्व रेंजर दिवस 2025 का विषय है "रेंजर्स, परिवर्तनकारी संरक्षण को शक्ति प्रदान करना", जो टिकाऊ संरक्षण प्रथाओं को सक्षम करने और संरक्षित क्षेत्रों में पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने में रेंजरों के महत्वपूर्ण नेतृत्व पर प्रकाश डालता है।

(iii) 31 जुलाई को मनाया जाने वाला वार्षिक उत्सव बहुत महत्व रखता है, क्योंकि यह IRF की स्थापना की तारीख से मेल खाता है और दुनिया भर में प्राकृतिक पारिस्थितिकी प्रणालियों और सांस्कृतिक विरासत दोनों के अग्रिम पंक्ति के रक्षकों के रूप में रेंजरों को मान्यता देने में वैश्विक एकजुटता पर जोर देता है।

DEFENCE

1. मद्रास रेजिमेंट ने कोलाचेल युद्ध में डचों पर विजय की 284वीं वर्षगांठ मनाई।

31 जुलाई 2025 को, भारतीय सेना की मद्रास रेजिमेंट ने कन्याकुमारी जिले के कोलाचेल युद्ध स्मारक पर कोलाचेल युद्ध (1741) की 284वीं वर्षगांठ मनाई। यह आयोजन राजा मार्तंड वर्मा की डच ईस्ट इंडिया कंपनी पर ऐतिहासिक विजय के सम्मान में आयोजित किया गया था, जो किसी यूरोपीय नौसैनिक शक्ति पर भारत की सबसे पुरानी दर्ज विजयों में से एक थी।

• **31 जुलाई 1741 (ग्रेगोरियन कैलेंडर) को लड़े गए कोलाचेल के युद्ध में राजा मार्तंड वर्मा के नेतृत्व में त्रावणकोर की सेनाओं ने एडमिरल यूस्टाचियस डी लानोय के नेतृत्व में डच ईस्ट इंडिया कंपनी को एक अद्वितीय जल-थल युद्ध में पराजित किया, जिसमें भूमि और समुद्री दोनों प्रकार की कार्रवाई शामिल थी।**

• **इस विजय को किसी एशियाई शक्ति द्वारा ज़मीन और समुद्र दोनों पर एक मज़बूत यूरोपीय नौसैनिक बल को हराने की पहली घटना के रूप में देखा जाता है। इसने दक्षिण भारत में डच औपनिवेशिक महत्वाकांक्षाओं को प्रभावी ढंग से समाप्त कर दिया और त्रावणकोर को ऐसी सफलता प्राप्त करने वाली एकमात्र एशियाई सैन्य शक्ति के रूप में स्थापित कर दिया।**

• **मद्रास रेजिमेंट की 9वीं बटालियन, जिसकी जड़ें 1741 में लड़ी गई त्रावणकोर नायर ब्रिगेड से जुड़ी हैं, ने इस स्मरणोत्सव में एक प्रतीकात्मक भूमिका निभाई। इस रेजिमेंट को आज भारतीय सेना की**

सबसे पुरानी पैदल सेना इकाई के रूप में मान्यता प्राप्त है।

Key Points:-

(i) कोलाचेल युद्ध स्मारक पर आयोजित समारोह में मद्रास रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अविनाश कुमार सिंह, वरिष्ठ अधिकारियों, पूर्व सैनिकों, NCC कैडेटों और नागरिकों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई। सार्वजनिक शस्त्र प्रदर्शन और सैन्य बैंड का प्रदर्शन भी प्रमुखता से हुआ।

(ii) इस स्मारक कार्यक्रम में मार्तण्ड वर्मा और दक्षिण भारत में यूरोपीय विस्तार का विरोध करने वाले सैनिकों की विरासत को सम्मानित करने के लिए औपचारिक परेड, श्रद्धांजलि अनुष्ठान और युद्ध स्मारक यात्राएं शामिल थीं।

(iii) राजा मार्तंड वर्मा द्वारा कोलाचेल समुद्र तट के पास स्थापित विजय स्तंभ साहस और संप्रभुता का प्रतीक है। यह वार्षिक स्मरणोत्सव—जिसे स्थानीय रूप से कोलाचेल दिवस के रूप में जाना जाता है—भारत की प्रतिरोध की स्थायी भावना को दर्शाता है और उपनिवेश-पूर्व सैन्य इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय का प्रतीक है।

SCIENCE AND TECHNOLOGY

1. ऑस्ट्रेलिया का पहला स्वदेशी कक्षीय रॉकेट 'एरिस' प्रक्षेपण के 14 सेकंड बाद विफल हो गया।

गिल्मर स्पेस टेक्नोलॉजीज द्वारा विकसित ऑस्ट्रेलिया का पहला स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित कक्षीय रॉकेट, 'एरिस', कक्षा में पहुंचने में विफल रहा और 30 जुलाई, 2025 को उड़ान भरने के 14 सेकंड बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

- **यह मिशन ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी क्वींसलैंड में स्थित बोवेन ऑर्बिटल स्पेसपोर्ट से लॉन्च किया गया था, जो देश के अंतरिक्ष अन्वेषण प्रयासों में एक महत्वपूर्ण लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण मील का पत्थर है।**

- **'एरिस' क्वींसलैंड स्थित एक निजी एयरोस्पेस कंपनी गिल्मर स्पेस टेक्नोलॉजीज़ द्वारा निर्मित 23 मीटर लंबा, तीन चरणों वाला एक छोटा उपग्रह प्रक्षेपण यान था। यह रॉकेट सूर्य-समकालिक कक्षाओं सहित, निम्न पृथ्वी कक्षा (LEO) में उपग्रहों को स्थापित करने के लिए सुसज्जित था, और इसे ऑस्ट्रेलिया की अंतरिक्ष तक स्वतंत्र पहुँच को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया था।**

- **रॉकेट में ठोस ईंधन और तरल ऑक्सीडाइज़र के संयोजन वाली हाइब्रिड प्रणोदन तकनीक का इस्तेमाल किया गया था, जिससे यह पारंपरिक तरल-ईंधन वाले इंजनों की तुलना में अधिक सुरक्षित और लागत प्रभावी था। अपनी तकनीकी क्षमता के बावजूद, शुरुआती चढ़ाई के दौरान उड़ान के दौरान हुई एक खराबी के कारण यह मिशन समय से पहले ही समाप्त हो गया।**

Key Points:-

(i) 'एरिस' की पेलोड क्षमता 215 किलोग्राम से 305 किलोग्राम के बीच थी, जिसे वाणिज्यिक और अनुसंधान दोनों उद्देश्यों के लिए छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण हेतु अनुकूलित किया गया था। इसका उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समर्पित और कम लागत वाले प्रक्षेपण अवसरों की तलाश कर रहे उपग्रह संचालकों की सेवा करना था।

(ii) प्रक्षेपण स्थल, बोवेन ऑर्बिटल स्पेसपोर्ट, ऑस्ट्रेलिया का पहला वाणिज्यिक कक्षीय अंतरिक्ष

बंदरगाह है और देश की दीर्घकालिक अंतरिक्ष रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस मिशन को संप्रभु प्रक्षेपण क्षमताओं को स्थापित करने और निजी अंतरिक्ष नवाचार को मज़बूत करने की दिशा में एक कदम के रूप में देखा गया था।

(iii) हालांकि यह मिशन सफल नहीं हुआ, लेकिन यह वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया की बढ़ती उपस्थिति को दर्शाता है और ऑस्ट्रेलियाई अंतरिक्ष एजेंसी (ASA) के नेतृत्व में देश की ऑस्ट्रेलियाई नागरिक अंतरिक्ष रणनीति 2019-2028 के तहत घरेलू एयरोस्पेस स्टार्टअप को समर्थन देने के व्यापक प्रयास को दर्शाता है।

OBITUARY

1. जर्मन ओलंपिक बायथलीट लॉरा डाहलमेयर का 31 वर्ष की आयु में काराकोरम पर्वतारोहण दुर्घटना में निधन हो गया।

28 जुलाई, 2025 को, प्रसिद्ध जर्मन ओलंपिक बायैथलीट और दो बार की स्वर्ण पदक विजेता लॉरा डाहलमेयर का 31 वर्ष की आयु में पाकिस्तान के काराकोरम पर्वत श्रृंखला में लैला पीक (5,700 मीटर) पर पर्वतारोहण दुर्घटना में निधन हो गया। हुशे घाटी में अचानक चट्टान गिरने से यह दुखद घटना हुई, जो उस महीने की शुरुआत में एक सफल शिखर सम्मेलन के बाद उनके अभियान के दौरान हुई थी।

• लॉरा डाहलमेयर 2017 में आयोजित एक ही बायथलॉन विश्व चैंपियनशिप में पाँच स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली महिला बायथलीट थीं, जिसने उन्हें इस खेल के इतिहास में सबसे सम्मानित एथलीटों में से एक के रूप में स्थापित किया। उन्होंने दक्षिण कोरिया के प्योंगचांग में 2018 शीतकालीन ओलंपिक के दौरान स्प्रिंट और पर्स्यूट दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर वैश्विक स्तर पर भी पहचान बनाई।

• उनका जन्म 22 अगस्त, 1993 को जर्मनी में हुआ था और उन्होंने अपने पेशेवर करियर की शुरुआत ऑस्ट्रिया में 2013 जूनियर विश्व चैंपियनशिप से की थी। ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के विभिन्न मंचों पर अपने ऐतिहासिक प्रदर्शन से उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त की।

• इससे पहले 8 जुलाई, 2025 को, लॉरा ने काराकोरम क्षेत्र में बाल्टोरो ग्लेशियर के पास स्थित ग्रेट ट्रैंगो टॉवर (6,287 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की थी, जिससे बायथलॉन से परे उनके साहसिक साहस का परिचय मिला। उनका अभियान लैला पीक की ओर आगे बढ़ा, जहाँ लगभग 18,700 फीट (5,700 मीटर) की ऊँचाई पर यह घातक दुर्घटना घटी।

Key Points:-

(i) लॉरा की ओलंपिक उपलब्धियों में 2018 शीतकालीन ओलंपिक में 2 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक शामिल हैं। उसी वर्ष, उन्होंने महिलाओं की 7.5 किमी स्प्रिंट और 10 किमी पर्स्यूट में जीत हासिल की, जबकि 15 किमी व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। उनके करियर की कुल उपलब्धियों में बायथलॉन विश्व चैंपियनशिप में 7 स्वर्ण, 3 रजत और 5 कांस्य पदक शामिल हैं।

(ii) उनके निधन से वैश्विक शीतकालीन खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। वह न केवल अपनी बायथलॉन प्रतिभा के लिए, बल्कि अपनी विनम्रता,

अनुशासन और पहाड़ों के प्रति प्रेम के लिए भी जानी जाती थीं।

Static GK

Ministry of Education (MoE)	मंत्री: धर्मेंद्र प्रधान	मुख्यालय: नई दिल्ली
RBI	राज्यपाल: संजय मल्होत्रा	मुख्यालय: मुंबई
Reliance Industries	अध्यक्ष: मुकेश अंबानी, ज्योति देशपांडे	मुख्यालय: मुंबई
Germany	राष्ट्रपति: फ्रैंक-वाल्टर स्टीनमीयर	राजधानी: बर्लिन
Australia	राजधानी: कैनबरा	प्रधान मंत्री: एंथनी अल्बानीज़
Research Designs & Standards Organisation (RDSO)	महानिदेशक (DG) : उदय बोरवंकर	मुख्यालय : लखनऊ, उत्तर प्रदेश (UP)
Singapore	राष्ट्रपति : थर्मन शनमुगरत्नम	प्रधान मंत्री (PM) : लॉरेंस वोंग